



न्यायालय प्रथम अधिवेश मंडोदय, राजस्व मंडल ग्वालियर केम्प, भोपाल

श्री वी.पी. लिपारी  
प्राथमिक दस्तावेज  
29-11-2017  
प्रमाणित/लगा  
29-11-17

पुनरोद्घाण क्रमांक  
PBR/किंगरानी/श्रीपाल/श्रुंश/2017/4944

महेन्द्र कुमवाहा पुत्र स्व० श्री कुंजीलाल कुमवाहा  
आधुनिक, निवासी ग्राम पिपलिया बाज छां  
तह. हुजूर जिला भोपाल

-----पुनरोद्घाणकर्ता

विषय

- 1- भारतसिंह पुत्र स्व० श्री मुंगाराम, आधुनिक
  - 2- यंदनासिंह पुत्र स्व० श्री मुंगाराम आधुनिक
- दोनों निवासी ग्राम पिपलिया बाज छां  
तहसील हुजूर जिला भोपाल

-----अनविदकगण

पुनरोद्घाण अविदक पत्र अंतर्गत धारा-50 म.प्र. अ.रा.संहिता 1959

प्रकरण क्रमांक 135/अ-12/16-17

अविदक दिनांक:- 05-05-2017

अधिसूच्य न्यायालय :- राजस्व निराक्षक तहसील हुजूर वृत्त-2, भोपाल

हस्ताक्षर  
[Redacted]


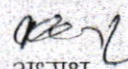
पुनरोद्घाणकर्ता के स्वामित्व को भूमि खसरा क्रमांक 132/1, 133/1, 134/1, रकबा 0.95 हेक्टर ग्राम पिपलिया बाज छां तहसील हुजूर जिला भोपाल में स्थित होकर अनविदकगण को भूमि खसरा क्रमांक 135, 136, रकबा लगभग 0.71 हेक्टर से लगी हुई भूमि है। अनविदकगण ने उक्त भूमि का सामांजन हेतु अविदक पत्र प्रस्तुत किया जिसे अधिसूच्य न्यायालय द्वारा उपरोक्त प्रकरण क्रमांक के रूप में विहित कर सामांजन को कार्यवाही प्रारंभ का जाकर अंतिम रूप ले नही को गया। जिससे पुनरोद्घाणकर्ता दुर्गुहित होकर उपरोक्त अधिसूच्य न्यायालयके प्रकरण के विषय मिन० न्यायालयके समक्ष निम्न प्रकरण के तथ्यों एवं आधारों पर यह पुनरोद्घाण प्रस्तुत करता है :-

[Signature]

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक PBR/निगरानी/भोपाल/भूरा./2017/4944

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारी एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
30-1-2018	<p>आवेदक की ओर से सूचना उपरान्त भी कोई उपस्थित नहीं । आवेदक की ओर से अधीनस्थ न्यायालय के वादग्रस्त आदेश की सत्यप्रतिलिपि प्रस्तुत नहीं कर आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि से छूट हेतु म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 48 के अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । प्रकरण की ग्राह्यता के संबंध में निगरानी में का अवलोकन किया गया । आवेदक की ओर से यह निगरानी सीमांकन कार्यवाही के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है । निगरानी में उठाये गये आधार प्रकरण के ग्राह्यता के लिए पर्याप्त नहीं हैं । अतः यह निगरानी प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।</p>	<p>  अध्यक्ष</p>